विद्याभवन, बालिका विद्यापीठ, लखीसराय

विषय-हिंदी व्याकरण   दिनांक-07/07/2020
वर्ग-चतुर्थ   विषय-शिक्षिका— नीतू कुमारी

(N.C.E.R.T. पर आधारित)

पाठ-9 क्रिया (verb)

सुप्रभात बच्चों,

पिछली कक्षा में आपने क्रिया का आधा भाग पढ़ा। हमें पूर्ण विश्वास है कि आपको जो अध्ययन-सामग्री दी जाती है उसे आप पूरे मनोयोग से पढ़ते होंगे। आज की कक्षा में आपको उसके आगे का भाग पढ़ना है। जो की इस प्रकार है:—

यह भी जानिए:—

•क्रिया के मूल रूप को धातु कहते हैं, जैसे-लिख, उठ, बैठ, तैर, जाग।

•धातु में 'ना' जोड़ने से क्रिया का सामान्य रूप बनता है,

जैसे:- लिख+ ना = लिखना   उठ+ ना = उठना
बैठ + ना = बैठना   तोड़+ ना = तोड़ना
तैर + ना = तैरना   जाग+ ना = जागना

क्रिया के भेद

क्रिया के भेद जानने से पहले आपको बता दें— काम करने वाले की कर्ता कहते हैं। काम का फल जिस पर पड़ता है, उसे कर्म कहते हैं। अब चित्र के साथ दिए गये वाक्य पढ़िए। —

नेहा हँस रही है।

दीपक पतंग उड़ा रहा है।

पहले चित्र में नेहा 'हँस रही है'। हँसने के लिए नेहा को किसी वस्तु की आवश्यकता नहीं हैं। दूसरे चित्र में दीपक कुछ उड़ रहा है। उसके पास उड़ाने के लिए पतंग है। पतंग के बिना वह उड़ाने की क्रिया पूरी नहीं कर सकता। अब आप जान गए कि कुछ क्रियाओं को करने के लिए कर्ता को किसी कर्म की आवश्यकता नहीं पड़ती है और कुछ क्रियाओं को करने के लिए कर्म की आवश्यकता पढ़ती है।

कर्म के आधार पर क्रिया के दो भेद होते हैं। —
सकर्मक क्रिया** और **अकर्मक क्रिया।

बच्चों, दी गयी अध्ययन-सामग्री की लिखें तथा समझने का प्रयास करें।

गृहकार्य :—

पेज नं-48 में दिए गए अभ्यास का प्रश्न संख्या-1 को अपनी उत्तर पुस्तिका में हल करें।